यात्रीक परिचय

ज्योतिरीश्वर - विद्यापति - युगसँ अविच्छिन्न रूपेँ प्रवाहित होइत मैथिली काव्यधाराक महत्वपूर्ण मोड़ देनिहारक मनबोध, चन्दा झा, सीताराम झा प्रभृति अनेक महाकविक नाम लेल जाइछ, किन्तु ओकर गतिकेँ तीव्रतम कए ओकरा आधुनिक युगक कोनो अन्य समृद्ध भाषाक काव्य - प्रवाहक समानान्तर लए अनबाक श्रेय जाहि एकमात्र कविकेँ देल जाइछ, ओ छथि 'यात्री' क उपनामसँ सुविख्यात श्री वैद्यनाथ मिश्र। हिनक लेखनीसँ निःसृत मैथिली कविता अपन ओहन सत्या गुणसँ वातावरणकेँ महमहा देलक जकर सुगन्ध लेबाक लेल दूर-दूरक लोक स्वत: आकृष्ट भऽ गेल। अपन जीवने जकाँ मैथिली कविताकेँ ई संकीर्ण द्वन्द्वक बन्धनसँ मुक्त कए सर्वहाराक प्रगतिक बाटपर उन्मुक्त विचरण करबाक हेतु छोड़ि देलनि।

'चित्रा' आ 'पत्रहीन नग्न गाछ' नामक दू गोट कविता - संग्रहक अतिरिक्त तीन गोट उपन्यासो हिनक प्रकाशित अछि - पारो, नवतुरिया तथा बलचनमा।' एकर अलाव किछु संस्मरण, किछु सामाजिक टिप्पणी, किछु शब्दचित्र, आदि अछि।

Scanned with CamScanner

दरभंगा जिलाक तरौनी गाममे सन 1911 ई० क बुद्ध पूर्णिमा दिन एक निम्नमध्यवित्त ब्राह्मण परिवारमे हिनक जन्म भेलनि। किछु दिन गाम, किछु दिन मातृक सतलखा, किछु दिन काशीमे संस्कृत साहित्यक अध्ययन कयलनि। एकर बाद बौद्ध-भिक्षु भऽ गेलाह आ लंका चलि गेलाह। फेर विश्वक अन्य भाषाक अध्ययन कयलनि, हिन्दी मे नागार्जुन नामे प्रगतिवादी कवि-लेखकक रूपमे अखिल भारतीय नाम-यश अर्जित कयलनि।

हिनक 'चित्रा' मे तथा ओकर बादक कवितामे उग्र स्वर क्रमशः आर अधिक प्रखर भेल अछि। किन्तु सभ प्रकारक कविताक अतिरिक्त हिनक स्वानुभूतिमूलक कविता सेहो अछि जे मनोभावक सहज स्फुरणक कारणे, उपस्थापन शैलीक विलक्षणताक कारणे तथा व्यक्तिगत समस्याओंके सार्वभौम रूप प्रदान करबाक अत्यन्त महत्वपूर्ण मानल जाइत अछि।

रानी मिश्रा
मैथिली विभाग
R.N College
pandaul, Madhubani

Scanned with CamScanner